प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

2025–26

कक्षा–12

विषय–हिन्दी

समय:3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक–100

नोट–(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii)इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड है, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड–क

प्रश्न 1–(क)–हिन्दी गद्य साहित्य में 1918 से 1938 ई0 तक के काल को किस नाम से अभिहित किया गया है– 5×1=5

(i) शुक्ल युग (ii) शुक्लोत्तर युग

(iii) द्विवेदी युग (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख)–कहानी विधा का उदाहरण है–

(i) गरूड़ध्वज (ii) अपना–अपना भाग्य

(iii) आन का मान (iv) राजमुकुट

(ग)–भारतेन्दु के सहयोगी थे–

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) वियोगी हरि

(iii) बालकृष्ण भट्‌ट (iv) शिवपूजन सहाय

(घ)–किस रचनाकार के निबन्ध प्रायः संस्मरणात्मक है–

(i) महादेवी वर्मा (ii) अमृत राय

(iii) जैनेन्द्र कुमार (iv) डॉ0 रामविलास शर्मा

(ड़)–राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' की रचनाओं की भाषा–शैली है–

(i) उर्दूप्रधान (ii) ब्रजभाषा का पुट लिए

(iii) अंग्रेजी प्रधान (iv) फारसी प्रधान

प्रश्न 2–(क)–'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किस काव्य आन्दोलन के लिए कहा जाता है? 5×1=5

(i) प्रगतिवाद (ii) छायावाद

(iii) प्रयोगवाद (iv) भक्ति आन्दोलन

(ख)–नई कविता की आधारभूत विशेषता है–

(i) वह किसी भी दर्शन के साथ बँधी हुई नहीं है।

(ii) प्राकृतिक सौन्दर्य का चित्रण

(iii) मार्क्सवादी विचारधारा का प्रभाव

(iv) प्रकृति का उद्‌दीपन रूप में वर्णन

(ग)–प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाते हैं –

(i) प्रसाद (ii) पन्त

(iii) निराला (iv) महादेवी वर्मा

(घ)–'एक भारतीय आत्मा' किसे कहा जाता हैं –

(i) माखनलाल चतुर्वेदी (ii) हरिवंशराय बच्चन

(iii) दिनकर (iv) श्यामनारायण पाण्डेय

(ङ)–प्रयोगवादी कवियों को 'राहों के अन्वेषी' किसने कहा हैं –

(i) धर्मवीर भारती (ii) अज्ञेय

(iii) मुक्तिबोध (iv) नामवर सिंह

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 5×2=10 अंक

इसलिए मैं मानता हूँ कि दुःख भगवान का वरदान है। अहं और किसी औषधि से गलता नही, दुःख ही भगवान का अमृत है। वह क्षण सचमुच ही

भाग्योदय का हो जाता है, अगर हम उसमें भगवान की कृपा को पहचान लें। उस क्षण यह सरल होता है कि हम अपने से मुड़ें और भाग्य के सम्मुख हो। बस, इस सम्मुखता की देर है कि भाग्योदय हुआ रखा है। असल में उदय उसका क्या होना है, उसका आलोक तो कण–कण में व्याप्त सदा–सर्वदा है ही। उस आलोक के प्रति खुलना हमारी आँखों का हो जाय बस उसी की प्रतीक्षा है। साधना और प्रयत्न सब उतने मात्र के लिए है। प्रयत्न और पुरूषार्थ को कोई दूसरा लक्ष्य मानना बहुत बड़ी भूल होगा, ऐसी चेष्टा व्यर्थ सिद्ध होगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक ने दुःख को ईश्वर का वरदान क्यों माना है?

(iv) लेखक के अनुसार व्यक्ति के भाग्योदय का क्षण कौन सा है?

(v) लेखक के अनुसार पुरूषार्थ का क्या उद्‌देश्य होता है?

अथवा

हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है। उनके सपनों को जानना और उन्हें बताना कि अच्छे, भरे–पूरे और सुख–सुविधाओं से पूर्ण जीवन के सपने देखना तथा फिर स्वर्णिम युग के लिए काम करना सही है। आप जो कुछ भी करें वह आपके हृदय से किया गया हो, अपनी आत्मा को अभिव्यक्ति दें और इस तरह आप अपने आसपास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कर सकेंगे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) स्वर्णिम युग के लिए कार्य करना कब सही है?

(iv) लेखक का युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के फैसले का आधार क्या रहा है?

(v) 'अभिव्यक्ति' तथा 'प्रसार' का अर्थ बताइए।

प्रश्न –4 पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 5×2=10 अंक

यही आता है इस मन में,
छोड़ धाम–धन जाकर मै भी रहूँ उसी वन में।
<u>प्रिय के व्रत में विघ्न न डालूँ, रहूँ निकट भी दूर,</u>
व्यथा रहे, पर साथ–साथ ही समाधान भरपूर।
हर्ष डूबा हो रोदन में,
यही आता है इस मन में।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश में कौन–सा रस प्रयुक्त हुआ है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv)'रहूँ निकट भी दूर' से क्या अभिप्राय है?

(v) उपर्युक्त पद्यांश में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

अथवा

अलसता की सी लता
किंतु कोमलता की वह कली,
<u>सखी नीरवता के कंधे पर डाले बॉह</u>
<u>छाँह सी अंबर–पथ से चली।</u>
नहीं बजती उसके हाथों में कोई वीणा,
नहीं होता कोई अनुराग–राग–आलाप
नूपुरों में भी रून–झून, रून–झून, रून–झून नहीं,

सिर्फ एक अव्यक्त शब्द सा ''चुप,चुप,चुप''

है गूँज रहा सब कहीं–

(i)उपर्युक्त पद्यांश के कवि तथा शीर्षक का नाम लिखिए।

(ii) कवि ने संध्या का चित्रण किस प्रकार किया है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv)'अनुराग' और 'अव्यक्त' शब्दों का विलोम लिखिये।

(v) 'अलसता की–सी लता' में कौन सा अलंकार है।

प्रश्न –5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (शब्द सीमा–80)– 3+2=5

(i) जैनेन्द्र कुमार (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम (iv) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए (शब्द सीमा–80) – 3+2=5

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) सुमित्रानन्दन पंत

(iii) महादेवी वर्मा (iv) अज्ञेय

प्रश्न –6 कहानी तत्वों के आधार पर 'खून का रिश्ता' अथवा 'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए। **(शब्द सीमा–80)** 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

प्रश्न –7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए। **(शब्द सीमा–80)** 5

(क) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'असहयोग आन्दोलन' की घटना का वर्णन कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ग)'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(घ)'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख नारी पात्र के चारित्रिक गुणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ङ)'श्रवण कुमार ' खण्डकाव्य के द्वितीय–सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(च)'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की किसी घटना का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

प्रश्न –8(क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+5=7

याज्ञवल्क्य उवाच– न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा

जन्मतः दशमे दिने 'शिवं भजेदयम्' इति बुद्धया पिता स्तसुतस्य मूलशङ्.कर इति नाम अकरोत् अष्टमे वर्षे चास्योपनयनमकरोत्।त्रयोदशवर्ष प्राप्तवतेऽस्मै मूलशङ्.कराय पिता शिवरात्रिव्रतमाचरितुम् अकथयत्। पितुराज्ञानुसारं मूलशङ्.करः सर्वमपि व्रतविधानमकरोत्। रात्रौ शिवालये स्वपित्रा समं सर्वान् निद्रितान् विलोक्य स्वयं जागरितोऽतिष्ठत शिवलिङ्.गस्य चोपरि मूषिकमेकमितस्ततः विचरन्तं दृष्ट्वा शङ्.कतमानसः सत्यं शिवं सुन्दरं लोकशङ्.करं शङ्.करं साक्षात्कर्तुं हृदि निश्चितवान। ततः प्रभृत्येव शिवरात्रेः उत्सवः 'ऋषिवोधोत्सवः' इति नाम्ना श्रीमद्दयानन्दानुयायिनाम् आर्यसमाजिनां मध्ये प्रसिद्धोऽभूत्।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+5=7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।

सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।

अथवा

मता गजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः।

रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रकीडितौ वारिधरैः सुरेन्द्रः।।

प्रश्न –9 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए– 2+2=4

(i) विद्यार्थी किम् त्यजेत्?

(ii) वर्षाकाले पर्वतशिखराणि कै तुलितानि?

(iii) महर्षेः दयानन्दस्य गुरूः कः आसीत्?

(iv) श्रीमालवीयः कीदृशः पुरूषः आसीत्?

प्रश्न –10 (क) भयानक रस अथवा अद्भुत रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए। 1+1=2

(ख) अनुप्रास अलंकार अथवा अन्वय अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

(ग) चौपाई छन्द अथवा कुंडलिया छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1+1=2

प्रश्न–11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– 2+7=9

(i) आतंकवाद– समस्या और समाधान (शब्द सीमा अधिकतम–250)

(ii) एक रोमांचक बस–यात्रा

(iii) मेरा प्रिय उपन्यासकारः प्रेमचन्द

(iv) शिक्षा में खेल–कूद का स्थान

प्रश्न–12 (क)(i) 'नयनम्' का सन्धि विच्छेद होगा– 1

(अ) ने+अनम्

(ब) नय+अनम्

(स) नै+अनम्

(द) नय + नम्

(ii) 'उल्लेखः' का सन्धि विच्छेद होगा– 1

(अ) उ+लेखः

(ब) उत्+लेखः

(स) उल्ल्+खः

(द) उ+ल्लेखः

(iii) 'हरिश्शेते' का सन्धि विच्छेद होगा– 1

(अ) व्यंजन सन्धि

(ब) विसर्ग सन्धि

(स) स्वर सन्धि

(द) यण् सन्धि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए– 1+1=2

(अ) चन्द्रशेखरः

(ब) घनश्यामः

(स) यथाशक्ति

(द) प्रत्यक्षम्

प्रश्न–13 आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्र–पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जाती। इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 2+6=8

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गये उपहार के लिए धन्यवाद–पत्र लिखिए।

प्रश्न–14(i) (क)निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए– 1

(अ) गुणवान

(ब) प्रभुता

(स) रूपवती

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए– 1

(अ) दत्वा

(ब) गतः

(स) कृतः

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(अ) कृष्णम् परितः गोपा।

(ब) सः कर्णेन बधिरः अस्ति।

(स) रामस्य माता।